भाजपा विधायकों ने महात्मा गांधी की प्रतिमा के नीचे दिया धरना

रीट पेपर लीक मामले की सीबीआई जांच की मांग और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया पर हमले का विरोध

जयपुर। रीट पेपर लीक मामले की सीबीआई जांच की मांग को लेकर और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ.सतीश पूनिया पर बूंदी जिले में कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा किये गए हमले व पत्थरबाजी मामले के विरोध में जयपुर में महात्मा गांधी सर्किल पर भाजपा विधायकों ने धरना देकर जनविरोधी कांग्रेस सरकार के खिलाफ आरपार की लड़ाई लड़ने का ऐलान किया। नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया, उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ.सतीश पूनिया, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, सचेतक जोगेश्वर गर्ग सहित लगभग 67 विधायकों ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ धरना दिया। भाजपा विधायकों के धरने को गुलाबचंद कटारिया, सतीश पूनिया और राजेन्द्र राठौड़ ने संबोधित किया।

रीट पेपर लीक मामले की सीबीआई जांच की मांग और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ.सतीश पूनिया पर हमले के विरोध में जयपुर में महात्मा गांधी सर्किल पर भाजपा विधायकों ने धरना दिया।

- धरने में लगभग 67 विधायक रहे मौजूद, कांग्रेस सरकार के खिलाफ आर-पार की लड़ाई का ऐलान
- अशोक गहलोत कान खोलकर सुन लें कि यह हमला अकेले सतीश पूनिया पर ही नहीं, राजस्थान भाजपा के करोड़ों कार्यकर्ताओं पर है, भाजपा हर हमले का देगी जवाब :गुलाबचंद कटारिया

गुलाबचंद कटारिया ने संबोधित करते हुए कहा कि रीट पेपर लीक मामला न सिर्फ प्रदेश के 16 लाख अभ्यर्थियों का ही नहीं है बल्कि उनसे जुड़े हुए प्रदेश के करोड़ों लोगों का मामला है। पेपर लीक की भाजपा सीबीआई जांच की मांग कर रही है जिससे इस पूरे महा-स्कैम का खुलासा हो सके। कटारिया ने कहा है कि रीट धांधली मामले में अगर सीबीआई जांच हो जाए तो कांग्रेस सरकार में मंत्री सुभाष गर्ग की गिरफ्तारी हो जायेगी और इनके बड़े आका भी जेल में होंगे।

उन्होंने सीबीआई जांच की मांग उठाते हुए कहा यह इसलिए जरूरी है, क्योंकि क्या एसओजी के एडीजी अशोक राठौड़, सीएम अशोक गहलोत को बुलाकर सवाल पूछ सकते हैं। किन योग्यताओं के आधार पर राजीव गांधी स्टडी सर्किल के पदाधिकारियों को रीट परीक्षा में कन्वेनर और दूसरी पोस्टिंग दी गई।

कटारिया ने कहा कि रीट की परीक्षा 1 करोड़ से ज्यादा लोगों को प्रभावित कर रही है। जिन लोगों ने परेशानी झेलकर अपने बच्चों को पढ़ाया। उनका भविष्य अंधेरे में नजर आ रहा है। इस मामले की सच्चाई सामने लाने के लिए भाजपा 9 फरवरी से शुरू हो रहे विधानसभा सत्र में यह मुद्दा उठाएगी। कारण यह है कि पेपर लीक नहीं हुआ है, बल्कि षड्यंत्र करके पेपर चोरी करवाकर धन्धा कराने का काम किया गया है। कांग्रेस ने अपने लोगों को नौकरी दिलाने का चोर रास्ता ढूंढा है।

कटारिया ने सतीश पूनिया पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा किये गए हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि राजस्थान की राजनीति में ऐसा दृश्य हमने कभी नहीं देखा कि विरोधी दल के नेताओं पर हिंसात्मक हमले करवाए जाए। अशोक गहलोत कान खोलकर सुन लें कि यह हमला अकेले सतीश पूनिया पर ही नहीं राजस्थान भाजपा के करोड़ों कार्यकर्ताओं पर हमला है, हर हमले का भाजपा मजबूती से जवाब देगी, जो भी हमलावर है उनकी गिरफ्तारी हो और सख्त सजा मिले।

राजेन्द्र राठौड़ ने संबोधित करते हुए कहा कि रीट पेपर लीक मामला कांग्रेस सरकार का सुनियोजित षड्यंत्र है जो इस सरकार के संरक्षण में किया गया है। यह स्पष्ट हो रहा है कि राजीव गांधी स्टडी सर्किल के जरिये कांग्रेस सरकार ने रीट पेपर लीक धांधली से बड़े स्तर पर राशि एकत्रित कर कांग्रेस आलाकमान को खुश करने का काम किया है, क्योंकि राजीव गांधी स्टडी सर्किल के कई लोगों को रीट पेपर आयोजन कराने की जिम्मेदारी दी गई थी, जिसमें से कई व्यक्तियों के नाम सामने आ चुके हैं।

राठौड़ ने कहा कि रीट पेपर लीक मामले की सीबीआई जांच के लिए भाजपा सड़क से लेकर विधानसभा तक पूरी ताकत के साथ लड़ेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया के नेतृत्व में रीट पेपर लीक मामले को लेकर प्रदेशभर में किये जा रहे आंदोलनों से अशोक गहलोत सरकार पूरी तरह घिर चुकी है और रीट लेवल-2 का पेपर रद्द कर मामले से ध्यान भटकाने का षड्यंत्र किया है, जबकि भाजपा की मांग है कि प्रदेश के युवाओं को न्याय देने के लिए सीबीआई जांच हो।

राठौड़ ने कहा कि सतीश पूनिया की बढ़ती हुई लोकप्रियता से भी अशोक गहलोत व कांग्रेस परेशान है जिससे इस हमले की साजिश होने से इनकार नहीं किया जा सकता। पूरी प्रदेश की जनता को पता चल चुका है कि स्वयं कांग्रेस सरकार में बैठे लोग रीट पेपर लीक मामले में शामिल हैं, भाजपा इस मुद्दे की सीबीआई जांच के लिए पूरी ताकत के साथ लड़ाई लड़ेगी।

डॉ. सतीश पूनिया ने संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का रीट रद्द करने का फैसला ही यह स्वीकार करना है कि रीट में बड़ी धांधली हुई है। रीट ही नहीं, लगता है इस शासन में सारी परीक्षाओं में नकल और बड़े स्तर पर धांधली हुई होगी, सीबीआई जांच से ही निष्पक्ष जांच हो सकेगी।

डॉ. पूनिया ने कहा कि रीट रद्द करके कांग्रेस सरकार ने दोषियों को बचाने की कोशिश की है। सीबीआई जांच तक हमारी लड़ाई जारी रहेगी। साथ ही किसान कर्जमाफी, महिला सुरक्षा, अलवर मूकबधिर नाबालिग मामला इत्यादि मुद्दों पर भी भाजपा सड़क से लेकर सदन तक लड़ाई लड़ेगी और लगातार लड़ रही है। मुझपर कांग्रेस सरकार कितने ही हमले करवाए, डरने वाला नहीं हूँ, किसान का बेटा हूँ, जनहित के मुद्दों पर करोड़ों कार्यकर्ताओं के परिश्रम की ताकत से भाजपा पूरे प्रदेश में पूरी मजबूती से लड़ाई जारी रखेगी।

इनके अलावा धरने को विधायक वासुदेव देवनानी, अनिता भदेल, रामलाल शर्मा, बिहारी विशनोई, फूलसिंह मीणा, मदन दिलावर इत्यादि ने भी संबोधित किया।साथ ही युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष हिमांशु शर्मा, एसटी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र मीणा, अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष एम सादिक खान, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अलका मूंदडा इत्यादि ने भी संबोधित किया।

विधायकों के साथ धरने में प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष माधोराम चौधरी, प्रदेश मंत्री श्रवण सिंह बगडी, जयपुर शहर अध्यक्ष राघव शर्मा, जयपुर देहात उत्तर अध्यक्ष जितेन्द्र शर्मा, देहात दक्षिण अध्यक्ष रामानंद गुर्जर, जयपुर जिला प्रमुख रमा देवी, जयपुर ग्रेटर मेयर सौम्या गुर्जर, डिप्टी मेयर पुनीत कर्नावट इत्यादि मौजूद रहे।

प्रदेश में नए करोना संक्रमितों की संख्या में फिर वृद्धि

राज्य में मंगलवार को 3479 नए संक्रमित मिले, इससे पहले सोमवार को 2298 रोगी पाए गए थे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में मंगलवार को फिर नए करोना संक्रमितों की संख्या में वृद्धि हुई है। इस दौरान राज्य में 3479 नए संक्रमित मिले हैं। हालाकि इस बीच सात हजार से ज्यादा मरीज ठीक होने के साथ ही एक्टिव केस घटकर 37 हजार 278 रह गए हैं। इधर पिछले चौबीस घंटों में राज्य में करोना से 16 और लोगों की मौत हुई है।

- राजधानी जयपुर में सर्वाधिक 1140 नए संक्रमित मिले हैं।
- राज्य में सात हजार से ज्यादा मरीज ठीक होने के साथ ही एक्टिव केस घटकर 37 हजार 278 रह गए हैं।
- प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में करोना से 16 और लोगों की मौत हुई है।

प्रदेश में मंगलवार को 1181 मामले बढ़ने के साथ ही 3479 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले सोमवार को 2298 रोगी पाए गए थे। इधर राजधानी जयपुर में भी इनकी संख्या में वृद्धि हुई है। इस दौरान यहां 1140 नए संक्रमित मिले हैं। इसके अलावा जोधपुर में 300, उदयपुर में 221, गंगानगर में 174, अलवर में 120, कोटा में 119, भीलवाड़ा में 112, अजमेर में 102, चित्तौड़गढ़ में 92, भरतपुर में 90, सीकर में 86, डूंगरपुर में 83, नागौर में 82, जैसलमेर में 76, हनुमानगढ़ में 72, झुंझुनूं में 71, प्रतापगढ़ व टोंक में 70-70, बीकानेर में 58, चूरू में 51, सवाई माधोपुर में 47, राजसमंद में 39, झालावाड़ में 34, बारां में 33, बूंदी में 30, धौलपुर में 25, सिरोही में 22, पाली में 20, बाड़मेर में 15, दौसा में 18, बांसवाड़ा में 4 और जालौर में 3 नए संक्रमित मिले हैं। वहीं करौली जिले में आज संक्रमण का कोई भी नया मामला सामने नहीं आया है।

राज्य में पिछले चौबीस घंटों में करोना से 16 और लोगों की मौत हो गई है। इनमें जयपुर में 4, बीकानेर, जोधपुर में 2-2, अजमेर, अलवर, बारां, चूरू, झुंझुनूं, कोटा, सीकर और सिरोही में 1-1 मरीज की मौत हुई। राज्य में अब तक इस बीमारी से 9407 लोगों की मृत्यु हो चुकी है।

उधर राहत की बात यह है कि प्रदेश में पिछले कई दिनों से नए संक्रमितों के मुकाबले अधिक रिकवरी हो रही है। मंगलवार को भी नए संक्रमितों की तुलना में करीब दोगुना 7354 मरीज ठीक हुए हैं। इसके साथ ही रिकवरी रेट बढ़कर 96.26 फीसदी हो गई है। इस बीच एक्टिव केस भी घटकर 37 हजार 278 रह गए हैं। इनमें सर्वाधिक 9236 मामले जयपुर जिले में है।

24-फागी में 65 नए संक्रमित मिले

राजधानी में मंगलवार को फिर करोना संक्रमण के मामलों में बढोतरी दर्ज की गई। इसके चलते 94 इलाकों में नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 65 रोगी फागी में मिले हैं। इसके अलावा मालवीय नगर में 58, वैशाली नगर में 50, मानसरोवर में 46, सांभर में 44, टोंक रोड इलाके में 42, सोड़ाला में 38, प्रताप नगर में 37, गोविन्दगढ़ व झोटवाड़ा में 34-34, दुर्गापुरा में 31, आमेर में 30 और नए संक्रमित मिले हैं। वहीं 29 ऐसे मरीज हैं जिनका नाम, पता व मोबाइल नम्बर गलत होने के कारण उन्हें ट्रेस नहीं किया जा सका। जयपुर में पिछले चौबीस घंटों में 1576 मरीज रिकवर हुए हैं।

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल मनाएगा भारतीय स्वतंत्रता के 75वें वर्ष का जश्न

जयपुर, (का.सं.)। 5-14 मार्च 2022 को आयोजित होने वाले जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के प्रमुख आकर्षणों में इंडिया 75 की थीम भी होगी। भारतीय आज़ादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर, फेस्टिवल के 15वें संस्करण में अनेक ऐसे सत्रों को वरीयता दी गई है, जो भारत के सफ़र के भिन्न पहलुओं को उजागर करेंगे।

- फेस्टिवल में शामिल अनेक बेहतरीन सत्रों में से एक सत्र चुनाव प्रक्रिया और लोकतान्त्रिक प्रणाली के पक्ष-विपक्ष पर केन्द्रित होगा।

फेस्टिवल में शामिल अनेक बेहतरीन सत्रों में से एक सत्र चुनाव प्रक्रिया और लोकतान्त्रिक प्रणाली के पक्ष-विपक्ष पर केन्द्रित होगा। पैनल में शामिल होंगे भारत के भूतपूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त और एन्री वोट काउंट्स के लेखक नवीन बी. चावला; भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और मेकर्स ऑफ़ मॉडर्न दलित हिस्ट्री के लेखक गुरु प्रकाश पासवान; प्रतिष्ठित ज्यूरी और सुप्रीम कोर्ट ऑफ़ इंडिया के रिटायर्ड जज जस्टिस मदन बी. लोकुर। इन प्रसिद्ध वक्ताओं के साथ चर्चा करेंगी अकादमिक और लेखिका मुकुलिका बनर्जी।

आधुनिक भारत के विकास में राष्ट्रवाद के ऐतिहासिक, सामाजिक-राजनीतिक और दार्शनिक अध्ययन का अनोखा मिश्रण शामिल है। लेखक और पत्रकार साकेत सुमन की विचारों को झकझोर देने वाली किताब द सायकोलोजी ऑफ़ ए पेट्रियट इसी नए भारत की तस्वीर पेश करती है। लेखक, कवि और अकादमिक मकरंद आर. परांजपे की आने वाली किताबों में शामिल है जेएनयू: नेशनलिज्म एंड इंडिया'स अनसिविल वार। गुरमेहर कौर की नई किताब, द यंग एंड द रेस्टलेस: यूथ एंड पॉलिटिक्स इन इंडिया, भारतीय लोकतंत्र में चुनाव और आदर्शात्मकता की भागीदारी का निरीक्षण करती है। जाने-माने अकादमिक और लेखक बद्री नारायण की किताब, रिपब्लिक ऑफ़ हिंदुत्व: हाउ द संघ इज रिशेपिंग इंडियन डेमोक्रेसी आरएसएस के विश्वास और कार्यों पर नज़र डालती है। इनके साथ चर्चा में लेखिका, अकादमिक और सामाजिक मानवविज्ञानी मुकुलिका बनर्जी देश की नींव और भविष्य पर फोकस करेंगी। मुकुलिका बनर्जी का नया मोनोग्राफ कल्टीवेटिंग डेमोक्रेसी: पॉलिटिक्स एंड सिटिज़नशिप इन अग्रेरियन इंडिया ग्रामीण भारत, विशेषत: पश्चिम बंगाल के सन्दर्भ में, राजनीति और आम नागरिकों के बीच सम्बन्ध का ब्यौरा प्रस्तुत करता है। एक अन्य सत्र में, बनर्जी लेखिका, पत्रकार और अनुवादिका नमिता वायकर से चर्चा करेंगी। ये दोनों कृषि और राजनीति पर प्रकाश डालेंगी।

भारत में विकलांगता अधिकार आंदोलन प्रमुख है, लेकिन इसका प्रतिनिधित्व कम है। प्रोफेसर और उद्यमी अनीता शर्मा देश के 2000 से अधिक ड्राइविंग स्कूलों में गईं और पाया कि उनमें से किसी में भी अक्षम लोगों के लिए कोई समाधान नहीं है। अनीता पोलियो से पीड़ित होने की वजह से जानती हैं कि ऐसे लोगों के लिए ड्राइविंग सीखना कितना जरूरी है। तो उन्होंने 'ऑन माय ओन' नाम से अपना एक ड्राइविंग स्कूल शुरू किया, जहाँ अक्षम लोगों को ड्राइविंग सीखने में मदद की जाती है।

भारतीय ग्रामीण मध्य वर्ग में सैकड़ों मिलियन लोग आते हैं, जो कृषि और उद्योग, दोनों ही क्षेत्रों से जुड़े हैं। ये संभवत: वैश्विक अर्थव्यवस्था का सबसे शानदार, जरूरी और उपेक्षित पहलु है।

क्या प्रियंका वाड्रा अभ्यर्थियों से बात करना चाहेंगी, जिनसे गहलोत सरकार ने ठगी की? : शेखावत

जयपुर। रीट लेवल-2 की परीक्षा रद्द होने पर केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका वाड्रा से तीखे सवाल पूछे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रियंका वाड्रा जी को खबर पहुंची या नहीं कि राजस्थान में रीट लेवल-2 की परीक्षा रद्द कर दी गई है। क्या वे अभ्यर्थियों से बात करना चाहेंगी, जिनसे गहलोत सरकार ने ठगी की?

केंद्रीय मंत्री ने ट्वीट किया कि भाजपा ने सवाल खड़े किए और जनाक्रोश फूटा अन्यथा ठग्स ऑफ राजस्थान ने अपना काला कारनामा अंजाम तक पहुंचा ही लिया था। उन्होंने कहा कि यूपी में योगी जी का काम शुद्ध जल की भांति पवित्र है, लेकिन राजस्थान में गहलोत जी ने हर क्षेत्र में अनिष्ट ही किया है। प्रियंकाजी जैसा दिखावा करती हैं, उसका एक प्रतिशत भी पालन नहीं करतीं। एक शब्द तक नहीं बोला गया उनसे रीट कांड पर, जबकि ये 16 लाख युवाओं के भविष्य का प्रश्न है।

'मैं तीसरी बार मुख्यमंत्री, मेरी नैतिक जिम्मेदारी गुड गवर्नेंस के लिए काम करूं, यही काम साथी विधायक करें'

जयपुर, (का.प्र.)। कांग्रेस विधायकों का चिंतन शिविर समाप्त होने के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि यह संवाद अच्छा रहा और हर किसी ने खुलकर अपनी बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता ने हमको सरकार बना कर आशीर्वाद दिया है। मैं तीसरी बार मुख्यमंत्री बना हूं तो मेरी नैतिक जिम्मेदारी है कि मैं किस प्रकार खुद गुड गवर्नेंस के लिए काम करूं और यही काम मेरी टीम के मेरे सभी साथी विधायक करें। तभी हम जनता के विश्वास पर खरे उतरेंगे। इसी के साथ मुख्यमंत्री गहलोत ने लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से दिए गए बयान को लेकर कहा कि वह इंदिरा गांधी के समय की इमरजेंसी की बात तो करते हैं, लेकिन आज तो देश में अघोषित इमरजेंसी लगी हुई है।

- मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा 3 साल के बाद भी सरकार विरोधी लहर नहीं, ये हमारे लिए शुभ संकेत
- 'प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के समय की इमरजेंसी की बात तो करते हैं, आज देश में अघोषित इमरजेंसी लगी हुई है'

मुख्यमंत्री ने कहा कि असेंबली आ रही है और आगे चुनाव भी आएंगे। सभी ने खुलकर इस चिंतन शिविर में अपनी बातें रखी हैं। मैं समझता हूं कि ऐसे चिंतन शिविर होते रहने चाहिए, ताकि सभी को एक दूसरे को जानने का मौका मिले। गहलोत ने कहा कि मैं हमारे विधायकों और समर्थित दलों के विधायकों को बधाई देना चाहता हूं कि सभी ने एकजुटता का संदेश दिया। इस चिंतन शिविर में राजस्थान में गुड गवर्नेंस कैसे हो और उसमें विधायकों की भागीदारी क्या हो, उस पर भी चर्चा खुलकर हुई।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बैठक के बाद कहा कि 3 साल के बाद भी सरकार विरोधी कोई लहर प्रदेश में नहीं है। ये हमारे लिए शुभ संकेत है। यही कारण है कि भाजपा फ्रस्ट्रेशन में आ गई है और वह नॉन इश्यू को इश्यू बना रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इश्यू को इश्यू बनाया जाए तो हम जवाब भी दें, लेकिन नॉन इश्यू को इश्यू बनाया जाएगा तो इसे भाजपा का कन्फ्यूजन ही माना जाएगा।

लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से लॉकडाउन के समय मजदूरों को कांग्रेस द्वारा भड़काने के आरोपों पर भी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि आज देश में हिंसा, अशांति और अविश्वास का माहौल बन गया है, यह आरोप तो एनडीए, भाजपा और आरएसएस पर कांग्रेस के हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उल्टा हम पर यह आरोप लगा रहे हैं कि हम लोगों को भड़का रहे हैं। कांग्रेस का इतिहास क्या रहा है, सबको मालूम है।

गहलोत ने कहा कि आजादी की जंग में जो भूमिका कांग्रेस की रही वह सब जानते हैं. हम गांधी को मानते हैं और उनका संदेश ही अहिंसा से शुरू होता है, जिसे हम 70 साल से लेकर चल रहे हैं। इसीलिए देश अखंड है। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हम पर लोगों को भड़काने का आरोप लगा रहे हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि गलती मोदी सरकार ने की है, जिसके कारण देश में लॉकडाउन हुआ और उससे पहले नोटबंदी के वक्त भी कितने लोग मारे गए। लॉकडाउन के समय कितने मजदूरों की जान रास्ते में चलते हुए हुई। क्या उनके पास इसके आंकड़े भी हैं।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 70 साल की कमियों को उजागर करने की बात करते हैं, जबकि उन्हें अब खुद का इतिहास बनाना चाहिए। कमियों को बताने में ही समय अगर निकाल देंगे तो फिर विकास की बात कब करेंगे।

8 घंटे तक सचिवालय के अंदर कैद रहे कुलपति प्रो. राजीव जैन

एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने गेट पर ताला लगाकर बाहर धरना दिया, पुलिस के साथ धक्का-मुक्की हुई

जयपुर। यूजी और पीजी का सिलेबस कम किए जाने सहित विभिन्न मांगों को लेकर मंगलवार को एनएसयूआई ने ना केवल राजस्थान विवि. में प्रदर्शन किया, बल्कि उन्होंने कुलपति सचिवालय पर ताला लगा दिया। इसके कारण कुलपति प्रो. राजीव जैन 8 घंटे तक अंदर कैद होकर रह गए।

कुलपति सचिवालय पर ताला लगाने के बाद कार्यकर्ता सचिवालय के बाहर धरने पर बैठ गए, उनका कहना था कि जब तक कुलपति उनसे नहीं मिलेंगे, तब तक न तो ताला खुलेगा और ना ही कार्यकर्ता अपना धरना समाप्त करेंगे। दिन भर चले इस हंगामे के चलते कुलपति तकरीबन आठ घंटे तक कुलपति सचिवालय से बाहर नहीं निकल सके। शाम को जब उन्होंने एनएसयूआई कार्यकर्ताओं को वार्ता के लिए बुलाया तब जाकर ताला खुल पाया। इससे पूर्व मौके पर पहुंची पुलिस ने भी ताला खुलवाने का प्रयास किया लेकिन कार्यकर्ता टस से मस नहीं हुए।

- स्नातक-स्नातकोत्तर में पाठ्यक्रम कम करने की मांग

इससे पूर्व एनएसयूआई के विवि ईकाई अध्यक्ष अमरदीप के नेतृत्व में कार्यकर्ता विवि. के मुख्यद्वार पर एकत्र हुआ और जमकर नारेबाजी की। इस दौरान मौके पर तैनात पुलिस के साथ उनकी जमकर धक्कामुक्की भी हुई। एनएसयूआई कार्यकर्ताओं का कहनाा था कि पूरे सत्र के दौरान विवि में ना तो नियमित रूप से कक्षाएं लगी और ना ही ऑनलाइन क्लास लगाई गई जिससे विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित हुई है। ऐसे में विवि प्रशासन को यूजी और पीजी का सिलेबस 50 फीसदी कम करना चाहिए।

उन्होंने राजस्थान विवि के ऑनर्स विषय में भी पासकोर्स के समान ड्यू पेपर का ऑप्शन रखने की मांग की जिससे छात्रों का साल खराब ना हो। उनका कहना था कि जिन विद्यार्थियों को सैकेंड ईयर से थर्ड ईयर में एडमिशन दिया गया था उनमें 30 फीसदी विद्यार्थी ऐसे हैं जो किसी ना किसी पेपर में सैकेंड ईयर में फेल हो गए हैं ऐसे विद्यार्थियों के पेपर को ड्यू रखकर उन्हें थर्ड ईयर के परीक्षा के साथ यह पेपर दिलवाया जाए या फिर उनकी फीस वापस की जाए क्योंकि थर्ड ईयर में उन्हें एडमिशन देने के साथ ही विवि प्रशासन ने उनकी थर्ड ईयर की फीस भी ली है। अपनी इन्हीं मांगों को लेकर मंगलवार को एनएसयूआई कार्यकर्ता एक बार फिर राजस्थान विवि के मुख्यद्वार पर जुटे और प्रदर्शन किया।

एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को राजस्थान विवि. में कुलपति सचिवालय पर ताला जड़कर बाहर विरोध जताया।

रीट में भ्रष्टाचार से बेरोजगारों के पैसे डूबे, सरकार करे युवाओं को पैसों का भुगतान : किरोड़ी मीणा

जयपुर। सांसद डॉ किरोड़ी मीणा ने कहा है कि रीट में हुए भ्रष्टाचार से बेरोजगारों के पैसे डूब गए हैं। जमीन जायदाद बेचकर भ्रष्टाचारियों के हत्थे चढ़ने वाले युवा आत्महत्या करने को मजबूर हो रहे हैं। सरकार को चाहिए की पीड़ित बेरोजगारों कि खर्च का भुगतान सरकार जल्द से जल्द करे। डॉक्टर मीणा ने युवाओं से अपील की है कि रीट के नाम पर जिसने भी पैसा लिया है उसका नाम लिखकर दें जिससे वह पैसे दिलवाने की कोशिश कर सकें।

डॉक्टर किरोड़ी मीणा ने बताया कि सरकार ने रीट में भ्रष्टाचार के पर्याप्त तथ्यों के कारण रीट द्वितीय लेवल की परीक्षा निरस्त करने का निर्णय लिया है। इस निर्णय के बाद भ्रष्टाचार के शिकार बेरोजगारों में भय व्याप्त हो गया है कि उनके पैसे डूब गए, वे स्वयं को ठगा सा महसूस कर रहे हैं। टोंक जिले के ग्राम रानीपुरा निवासी लोकेश मीणा की संदिग्ध मौत मिलने में नया मोड़ आया है। रीट परीक्षा के पेपर के लिए दो बड़े दलालों को करीबन 40 लाख रुपए दिए थे।

140 सोनोग्राफी केन्द्रों का निरीक्षण

जयपुर, (कासं)। प्रदेश में पीसीपीएनडीटी एक्ट की प्रभावी पालना के लिए चलाए जा रहे विशेष निरीक्षण अभियान के तहत मंगलवार को 140 सोनोग्राफी केन्द्रों का निरीक्षण किया गया।

अभियान के तहत 5 फरवरी से अब तक 446 सोनोग्राफी केन्द्रों का निरीक्षण किया जा चुका है।

विधानसभा में राज्यपाल का अभिभाषण आज

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र बुधवार 9 फरवरी को प्रात: 11 बजे विधान सभा में अभिभाषण देंगे।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल, मुख्य सचिव उषा शर्मा और विधानसभा के सचिव महावीर प्रसाद शर्मा विधानसभा पहुँचने पर राज्यपाल मिश्र का स्वागत करेंगे। विधानसभा के मुख्य द्वार पर राज्यपाल मिश्र को आर.ए.सी. बटालियन द्वारा राष्ट्रीय सलामी दी जायेगी।

राजस्थान सौर ऊर्जा के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बन कर उभरा है : सीएम

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि निवेश को प्रोत्साहन देने की राज्य सरकार की नीतियों का परिणाम है कि आज राजस्थान सौर ऊर्जा के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बन कर उभरा है। रिन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र में देश-विदेश की जानी-मानी कंपनियां और इन्वेस्टर्स प्रदेश में निवेश के लिए आ रहे हैं। हमारा प्रयास है कि राजस्थान सोलर उपकरणों के मैन्यूफैक्चरिंग हब के रूप में भी विकसित हो। निवेशक इस दिशा में बढ़-चढ़कर अपनी रूचि दिखाएं। राज्य सरकार उन्हें भरपूर सहयोग देगी।

मुख्यमंत्री निवास पर वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये आयोजित अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में निवेशकों से 3 लाख 5 हजार करोड़ के एमओयू एवं एलओआई पर हस्ताक्षर किये गये।

गहलोत मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में निवेशकों के साथ 3 लाख 5 हजार करोड़ के एमओयू एवं एलओआई हस्ताक्षर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस निवेश से प्रदेश में करीब 90 हजार मेगावाट से अधिक अक्षय ऊर्जा का उत्पादन होगा। इस अवसर पर निवेशकों व राज्य सरकार के बीच हस्ताक्षरित एमओयू एवं एलओआई का आदान-प्रदान किया गया।

राजस्व मंत्री रामलाल जाट ने कहा कि राजस्थान शांतिप्रिय एवं निवेश के लिए सर्वाधिक अनुकूल प्रदेश है। राजस्व विभाग निवेशकों के लिए भूमि से संबंधित आवश्यकताओं को पूरी प्रतिबद्धता के साथ पूरा कर रहा है। साथ ही, भूमि अधिग्रहण में किसानों एवं अन्य पक्षों के हितों का भी पूरा ध्यान रखा जा रहा है।